

आस्कंद पुं. (तत्.) 1. नशा 2. शोषण 3. आक्रमण 4. आरोहण 5. युद्ध 6. घोड़े की सरपट चाल 7. अपशब्द।

आस्कंदित वि. (तत्.) 1. भारग्रस्त 2. कुचला गया पुं. घोड़े की सरपट चाल।

आस्कंदी वि. (तत्.) 1. आक्रमणकारी 2. अधिक खर्च करनेवाला 3. अपहर्ता, अपहरण करने वाला।

आस्तर पुं. (तत्.) 1. बिछौना 2. कालीन 3. कंबल 4. गद्दा, आवरण 6. हाथी की झूल

आस्तरण पुं. (तत्.) 1. ऐसा फर्श जो आराम करने के लिए अच्छा लगे, बिछौना, गलीचा, बिस्तर, कालीन आदि 2. यज्ञ वेदी पर फैलाया गया कुश, 'कुश' एक प्रकार की पवित्र घास है 3. हाथी की झूल।

आस्तरणिक वि. (तत्.) 1. बिस्तर पर सोनेवाला 2. बिछाया जानेवाला।

आस्ति स्त्री. (तत्.) प्रशा.विधि. किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाली संपत्ति, विशेषतः अचल संपत्ति तु. परिसंपत्ति।

आस्तिक वि. (तत्.) वेद, ईश्वर और परलोक में विश्वास करनेवाला 2. धर्मनिष्ठ 3. ईश्वर के अस्तित्व को माननेवाला।

आस्तिकता स्त्री. (तत्.) वेद, ईश्वर और परलोक में विश्वास, नास्तिक होने का अभाव।

आस्तिकत्व पुं. (तत्.) दे. आस्तिकता।

आस्तिक्य पुं. (तत्.) 1. ईश्वर, वेद और परलोक में विश्वास 2. जैन शास्त्रानुसार जिन मुनि प्रणीत सब भावों (तत्त्वों) के अस्तित्व पर विश्वास।

आस्तियाँ स्त्री. (तत्.) परिसंपत्ति, संस्था अथवा व्यक्ति की सम्पूर्ण संपत्तियाँ।

आस्तीक पु. (तत्.) जरत्कारु ऋषि और वासुकि की कन्या से उत्पन्न ऋषि, जिन्होंने जनमेजय के सर्पसत्र में तक्षक नाग के प्राण बचाए थे।

आस्तीन स्त्री. (फा.) कुर्ते आदि का वह भाग जो बाँह को ढँकता है, बाँही मुहा. आस्तीन का साँप-

वह मित्र जिसके मन में शत्रुता हो, दोस्त के रूप में दुश्मन; आस्तीन चढ़ाना- लड़ने के लिए तैयार होना; आस्तीन में साँप पालना- शत्रु को अपने पास रख कर उसका पोषण करना।

आस्त्र वि. (तत्.) अस्त्र संबंधी।

आस्थगन पुं. (तत्.) प्रशा.विधि. 4 किसी बात या काम को कुछ समय के लिए रोक रखने की क्रिया। *diferment*

आस्थगित वि. (तत्.) जिसका आस्थगन किया गया हो।

आस्था स्त्री. (तत्.) 1. किसी मूल्य, श्रद्धा या धारणा के प्रति अविकल निष्ठा, विश्वास 2. प्रयत्न, चेष्टा, आलंबन 3. अपेक्षा 4. वादा, प्रतिज्ञा 5. आशा।

आस्थाता वि. (तत्.) 1. आरोहण करने वाला, चढ़ने वाला 2. खड़ा होने वाला।

आस्थान पुं. (तत्.) 1. बैठने की जगह 2. दरबार, सभा 3. मनोरंजन का स्थान 4. श्रद्धा, आस्था।

आस्थापन पुं. (तत्.) 1. स्थापित करना, खड़ा करना 2. बलवर्धक औषधि 3. स्नेह-युक्त वस्ति।

आस्थापूर्ण वि. (तत्.) श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण, श्रद्धावंत, दृढ़ आस्थावाला, ईमान वाला।

आस्थायिका स्त्री. (तत्.) दरबार, सभा।

आस्थायुक्त वि. (तत्.) आस्था वाला, श्रद्धा युक्त।

आस्थावाद पुं. (तत्.) (आस्थाभवाद) दार्शनिक मत, जिस के अनुसार ज्ञान का प्रत्येक रूप, किसी न किसी सीमा तक तर्क शास्त्र से मुक्त होकर मात्र आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर आधारित होता है।

आस्थावान वि. (तत्.) तर्क त्याग कर विश्वास करने वाला, आस्थायुक्त।

आस्थाहीन वि. (तत्.) बिना आस्था के, श्रद्धा-विश्वास रहित, जिसका कोई ईमान न हो।